

## तलाक नामा

मैं पुत्र  
व जाति निवासी का हूँ

यह कि मेरा विवाह श्रीमति पुत्री श्री  
से करीब वर्ष पूर्व हुआ था

एवं हम दोनों पक्षकार वर्ष तक पति पत्नि की भांति रहते रहे। तत्पश्चात् हम पक्षकारों में  
झगड़े, अनबन व मनमुटाव से मैंने श्रीमति को तलाक

देकर हम पृथक-पृथक निवास कर रहे हैं। श्रीमति  
के कुल मेहर रूपये में से रूपये अदा कर दिये हैं एवं शेष

रूपये आज से तीन माह बाद देना तय हुआ है। अतः आज के बाद पक्षकारों का  
कोई संबंध नहीं रहा है। शेष मेहर राशि तय शुदा अवधि में अदा कर दी जावेगी। अतः यह दस्तावेज  
बतौर तलाक नामा लिख दिया ताकि सनदू रहे।

दिनांक:

पक्षकारगण (1)

साक्षीगण

पक्षकारगण (2)

(1)

(2)